• मुजफ्फरपुर • मंगलवार • 05 जनवरी 2016 • हिन्दुस्तान

अब ऑर्गेनिक खेती और पेड़ पौधों के प्रबंधन में कॅरियर बनाना छात्रों के लिए हुआ आसान, इग्नू की मदद से पत्राचार कोर्स

लीची अनुसंधान केंद्र में दो नये कोर्स, प्रवेश शुरू

मुजफ्फरपुर | कार्यालय संवाददाता

केंद्रीय लीची अनुसंधान केंद्र ने छात्रों के लिए कॅरियर की नयी राह बनायी है। छात्र यहां से पढ़ाई कर ऑर्गेनिक खेती व पेड़-पौधों के प्रबंधन में कॅरियर बना सकते हैं। लीची अनुसंधान केंद्र इग्नू की मदद से शुरू पत्राचार कोर्स सर्टिफिकेट इन ऑर्गेनिक फार्मिंग और डिप्लोमा ऑन प्लांटेशन मैनेजमेंट कर छात्र कृषि क्षेत्र में बुलंदियों को छू सकते हैं।

सर्टिफिकेट इन ऑर्गेनिक फार्मिंग छह महीने का कोर्स है। इसमें नामांकन के लिए छात्रों को किसी भी विषय से इंटर होना चाहिए। डिप्लोमा ऑन प्लांटेशन मैनेजमेंट के लिए किसी भी विषय से ग्रेजुएट होना जरूरी है। यह एक साल का कोर्स है।

दोनों कोर्सों में नामांकन के लिए छात्रों को चार हजार रुपये खर्च करने होंगे। नामांकन के बाद इग्नू छात्रों को सामग्री उपलब्ध कराएगा। लीची अनुसंधान केंद्र, मुशहरी में इसके लिए स्टडी सेंटर बना दिया गया है। केंद्र के वैज्ञानिक छात्रों के कंसल्टेंट होंगे। वैज्ञानिक हर शनिवार व रविवार को स्टडी सेंटर में छात्रों की पढ़ाई से संबंधित समस्या दूर करेंगे।

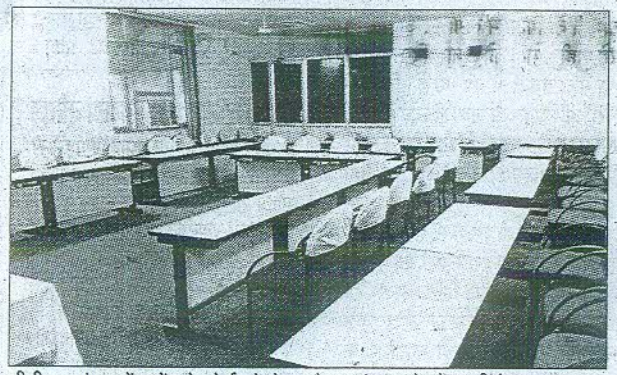

लीची अनुसंधान केंद्र में नये कोर्स को लेकर तैयार संस्था और फैकल्टी के सदस्य।

कॅरियर को मिलेगी दिशा

- डिप्लोमा ऑन प्लांटेशन मैनेजमेंट व सर्टिफिकेट इन ऑर्गेनिक फार्मिंग कोर्स में 15 तक ले सकते हैं एडमिशन
- आर्गेनिक फार्मिंग छह माह व प्लांटेशन मैनेजमेंट एक साल का कोर्स, महज चार हजार रुपये है फीस
- संस्थान के वैज्ञानिक ही बनेंगे छात्रों के कंसल्टेंट

15 तक करें आवेदन

दोनों कोर्स में नामांकन के लिए छात्र 15 जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं। छात्र इग्नू सेंटर के अलावा लीची अनुसंधान केंद्र से नामांकन फॉर्म खरीद सकते हैं। नामांकन के लिए सीटों की संख्या निर्धारित नहीं की गयी है। आवेदन करने वाले छात्रों को इसमें नामांकन मिलेगा।

ग्रामीण छात्रों को छूट

ग्रामीण छात्रों के नामांकन में 50 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। दोनों कोर्स में नामांकन के लिए शहरी छात्रों को चार हजार रुपये देने होंगे। वहीं ग्रामीण छात्रों का नामांकन दो हजार रुपये में ही हो जाएगा। ग्रामीण छात्रों को कृषि के प्रति बढ़ावा देने के लिए छूट दिया जा रहा है।

5 दो कोर्स शुरू किये गये हैं। केंद्र के वैज्ञानिक छात्रों के कंसल्टेंट होंगे। स्टडी सेंटर में सप्ताह में दो दिन वैज्ञानिक छात्रों के लिए उपलब्ध रहेंगे।

–विशालनाथ, डायरेक्टर, केंद्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुशहरी

किसानों की समस्याएं दूर करने को निकालेंगे पत्रिका

मुजफ्फरपुर | कार्यालय संवाददाता

केंद्रीय लीची अनुसंधान केंद्र किसानों की सफलता को लेकर गंभीर है। लीची किसानों की हर समस्या दूर करने के लिए केंद्र के वैज्ञानिक संकल्पित हैं। इसी कड़ी में दो पत्रिका जल्द ही निकाली जाएगी। हिन्दी में यह 'लीची समाचार' और अंग्रेजी में 'लीची न्यूज' निकाला जाएगा। दोनों पत्रिका छह महीने पर निकाली जाएगी। इसमें लीची से संबंधित सभी जानकारी होगी। किसानों के लिए यह बेहद उपयोगी होगी। इसके अलावा केंद्र इन हाउस एक पत्रिका निकालेगी। यह वार्षिक होगी। इसका नाम 'लीची प्रगति' होगा। यह जानकारी केंद्रीय लीची अनुसंधान केंद्र के निदेशक विशालनाथ ने सोमवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दी।

निदेशक ने बताया कि पत्रिका वेबसाइट पर भी उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि बोरर की समस्या को दूर करने

06 महीने में लीची अनुसंधान केंद्र निकालेगा दो पत्रिका

में वैज्ञानिक लगे हैं। जल्द ही इसका हल ढूंढ़ लिया जाएगा। लीची वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि किसानों को सामूहिक रूप से इसके लिए प्रयास करने होंगे। लीची में मटर समान दाना आने तक वे कुछ ना करें। मटर के बराबर दाने आने पर थायोक्लोरोपिड या इमिडाक्लोरोपिड 0.5 मिली लीटर प्रति लीटर में मिलाकर छिड़काव करें। इसके बाद 12 से 14 अप्रैल तक या पहले छिड़काव के 10 दिन बाद दूसरा और इसके बाद मई में फिर से दवा का छिड़काव करें। दवा छिड़काव तभी असरदार होगा जब आसपास के किसान भी छिड़काव करें। इस मौके पर डॉ. अमरेंद्र, डॉ. एसडी पाण्डेय आदि वैज्ञानिक मौजूद थे।